मिशन मेरे सतगुरु का फैला है फैलेगा,
ये ऐसा है सिलसिला जो रुका न कभी रुकेगा,
ये और बढ़ेगा, ये और बढ़ेगा ।

बाबा बूटा ने था एक बूटा लगाया,
गुरु अवतार ने यह प्यारा सा बाग सजाया,
बूटा और अवतार का ये बाग बगीचा,
देकर अपना लहू था बाबा बचन ने सींचा।
जब तक है दुनिया, दुनिया में जिंदा मिशन रहेगा।
ये और बढ़ेगा, ये और बढ़ेगा...

इसको छत्तीस वर्ष हरदेव गुरु ने,
बड़े-बड़े थे काम किए हरदेव गुरुने ।
अंबर की बुलंदी पे पहुंचाया इसको,
प्यार अमन की खुशबू से महकाया इसको।
जब तक है दुनिया, दुनिया में जिंदा मिशन रहेगा।
ये और बढ़ेगा, ये और बढ़ेगा...

सतगुरु माता जी का भी तो यही कथन है ,
और भी बुलंदी पे पहुंचाना मिशन है।
मिशन की पावनता पे कोई, आंच ना आए,
और भी इसकी सुंदरता बढ़ती जाए ।
जब तक है दुनिया, दुनिया में जिंदा मिशन रहेगा।
ये और बढ़ेगा, ये और बढ़ेगा...

ये मिशन है सच्चाई के दीवानों का,
ये मिशन है तपि तपिशवर बलिदानों का ,
तप और त्याग के बुनियादों पे मिशन खड़ा है,
इसीलिए तो ये इतना बलवान हुआ है ।
जब तक है दुनिया, दुनिया में जिंदा मिशन रहेगा।
ये और बढ़ेगा, ये और बढ़ेगा...

वक्त की ये आवाज यही है समय का नारा,
याद सदा ही रहे हमें कर्तव्य हमारा।
एकजुट होकर प्यार से सारे रहना सीखें,
सदा जगत में आगे ही अब बढ़ना सीखें।
जब तक है दुनिया, दुनिया में जिंदा मिशन रहेगा।
ये और बढ़ेगा, ये और बढ़ेगा...

तर्ज़: छोड़ो कल की बातें